भजन

तर्ज–दीवानों से ये मत पूछो

दीवानों की इस महफिल में, दुनिया वालों का काम नहीं
वो महफिल हमको न भाये,जिस महफिल में तेरा नाम नहीं

1–लबरेज मुहब्बत से इनके, दिल होते हैं कोई क्या जाने
खामोश जुबां प्यासी नजरें, क्या चाहती हैं कोई क्या जाने
महबूब मेरे माशूक मेरे,बस इसके सिवा कुछ याद नहीं

2–तेरी मस्ती भरी इक नजर बहुत, जीने के लिए दीवानों को
होता है गुमां जैसे पी बैठे, हम तो सैकड़ों पैमानों को
धनी धाम तुम्हीं,श्यामा श्याम तुम्हीं, होठों पर दूजा नाम नहीं

3–तेरे इश्क की मीठी मीठी तड़प,आशिक दिल को तड़पाती है
जिस दिल पर तुमने डाली नजर, उस दिल में तेरी बेताबी है
ये इश्क की सरगम जिसपे बजे, दुनियां में ऐसा साज नहीं